ज्वालामुखी योग - 40

अव्यक्त बापदादा :- (18.02.2008)

➳ _ ➳ शान्ति की ज्वाला बच्चोंने कहा आना ही है तो बाप ने कहा हाँजी। ऐसे ही एक दो के बातों को, स्वभाव को, वृत्ति को समझते, हाँजी, हाँजी करने से संगठन की शक्ति साइलेन्स की ज्वाला प्रगट करेगी। ज्वालामुखी देखा हैना। तो यह संगठन की शक्ति शान्ति की ज्वाला प्रगट करेगी। अच्छा।

➢➢ हाँ जी करना अर्थात आज्ञाकारी बनना...

➳_ ➳ हाँ जी किस किसको करना है?

→ बाबा को

→ बडों को

→ यग्य के साथियों को

→ छोटों को

→ सम्बन्ध सम्पर्क वालो को

→ सरकार को

→ ऑफिस में

■ इन सात जगहों पर हाँ जी करने की आवश्यकता है...

➢➢ हाँ जी करने के फायदे

➳_ ➳ सामने वाला सॉफ्ट हो जाता है...

➳_ ➳ उसकी दुआएं मिलती हैं..

➳_ ➳ वह संतुष्ट हो जाता है...

➳_ ➳ उसका सहयोग मिल जाता है...

➳_ ➳ आत्मा में बल भरता है...

➳_ ➳ वातावरण निर्विघ्न बनता है...

➳_ ➳ निरहंकारिता बढती है...

➳_ ➳ कुछ विशेष शक्तियां प्रकट होने लगती हैं...

➳_ ➳ सेवा में सफलता मिलती है...

➳_ ➳ सम्बन्ध मधुर बनते हैं...

→ शिवबाबा को हाँ जी करने से फायदे

■ स्व उन्नति होगी...

■ सेवा बढ़ जाएगी...

■ पुरुषार्थ में तीव्रता आएगी...

→ बड़ों को हाँ जी करने से फायदे

■ उनका विश्वास बढ़ेगा...

■ उनकी दुआएं मिलेंगी..

■ हुनर, क्षमता बढ़ेगी...

→ साथियों को हाँ जी करने से फायदे

■ सेवा में सहयोग मिलेगा...

■ संबंधों में मधुरता आएगी...

■ संस्कार मिल्न की रास होगी...

▶ जो सेवा में सफलता के लिए बहुत जरूरी है...

→ छोटों को हाँ जी करने से फायदे

■ वे भी खुश होंगे...

■ उनको लगेगे हमारा भी महत्व है...

■ उनकी ग्रीटिंग्स मिलेंगी...

→ सम्बन्ध संपर्क वालों को हाँ जी करने से फायदे

■ सेवाएँ बढ़ेंगी...

→ सरकार को हाँ जी करने से फायदे

■ सरकार को तो करना ही है...

▶ यहाँ न करने से खतरा खड़ा हो सकता है...

→ ऑफिस में हाँ जी करने से फायदे

■ ऑफिस में दो नियम कहे जाते हैं

▶ Boss is always right.

अगर बोस गलत है तो Follow rule no. 1.

→ लौकिक सम्बन्धियों को हाँ जी करने से फायदे

■ यदि ज्ञान में है तो संबंधों में मधुरता आएगी...

■ ज्ञान में नहीं है तो शायद हाँ जी की वजह से वे एक दिन ज्ञान में आ जाएँ...

➢➢ ना जी करना

➽_ ➽ Don't say Yes when you want to say No.

→ शिवबाबा को न कहना तो अपने विनाश को आमन्त्रण देना है...

■ हमारे पास समय ही नहीं उस काम को करने का,

■ हम बहुत से कामों में लगे हैं..

▶ उस समय ना जी कहने का साहस होना चाहिए...

▶ क्योकि काम जरूरी था, व्यक्ति नहीं...

▶ वह सेवा किसी और को दी जा सकती थी...

■ यदि कुछ नियम के विरुद्ध कहा जाये...

■ निर्विवाद श्रीमत के विरुद्ध कुछ हो, तब

- कोई हमारा गलत इस्तेमाल करे तब
- कोई हमारा समय वेस्ट करे तब ना जी करना है...

➢➢ कब ना जी करना चाहिए?

➳_ ➳ खान पान की धारणा की बात में

➳_ ➳ घूमने फिरने, एंटरटेंमेंट में

➳_ ➳ मूवी, सिनेमा जाने में

➳_ ➳ समय वेस्ट करने वाली बात में

➳_ ➳ योग में दखल देने वाली बातों में

➳_ ➳ जो बातें श्रीमत के खिलाफ हैं, उनमे

➳_ ➳ जहा उपर से हां, अंदर से ना हो, ऐसे में ना कहना ही ज्यादा ठीक है...

➳_ ➳ कोई हमें force करे तब

➢➢ कैसे करे ना जी

➳_ ➳ युक्ति से, प्यार से

➳_ ➳ नियम, मर्यादाएं समझा दे यग्य के

➳_ ➳ प्यार से समझाने पर न माने तो फिर कुछ कठोर शब्द ख सकते है...

→ इसे बंद करो, ये हमारे पुरुषार्थ में बाधा है...

- कोई भी चीज दी जाये, उसे बाँट देना या यग्य में जमा करा देना है...